सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 167 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 22 जुलाई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विश्व एक व्यायामशाला है जहाँ हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।
-स्वामी विवेकानंद

2027 वनडे विश्वकप में खेलेंगे... 7 | बीजेपी को घेरने का चक्रव्यूह... 3 | जल्द ही गिरने वाली है केंद्र की... 2

योगी सरकार के फरमान पर लगी 'सुप्रीम' रोक

यूपी, उत्तराखंड और एमपी की सरकारों को नोटिस

» शीर्ष अदालत ने कांवड़ यात्रा के मार्ग पर दुकानदारों के नेमप्लेट लगाने वाले आदेश पर लगाई अंतरिम रोक

» कोर्ट ने कहा- दुकानदारों को अपना नाम या पहचान बताने की जरूरत नहीं

» किस प्रकार का खाना बेच रहे हैं सिर्फ यह बताने की जरूरत : अदालत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की सर्वोच्च अदालत ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के एक आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। जिससे प्रदेश की योगी सरकार को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने ये रोक यूपी सरकार के कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों के मालिकों का नाम लिखने वाले आदेश पर लगाई है।

सुप्रीम कोर्ट में आज उत्तर प्रदेश सरकार के कांवड़ यात्रा से जुड़े एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश पर अंतरिम रोक लगा दी। साथ ही कोर्ट ने तीनों राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है। कोर्ट ने कहा कि दुकानदारों को अपना नाम बताने की जरूरत नहीं है। वे सिर्फ यह बताएं कि उनके पास कौन से और किस प्रकार के खाद्य पदार्थ उपलब्ध हैं। मामले में अब अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी। इससे पहले याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यह चिंताजनक स्थिति है, जहां पुलिस अधिकारी समाज को बांटने का बीड़ा उठा रहे हैं। अल्पसंख्यकों की पहचान करके उनका आर्थिक बहिष्कार किया जाएगा। यूपी और उत्तराखंड के अलावा दो और राज्य इसमें शामिल हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या यह प्रेस स्टेटमेंट था या औपचारिक आदेश कि इन्हें प्रदर्शित किया जाना चाहिए?

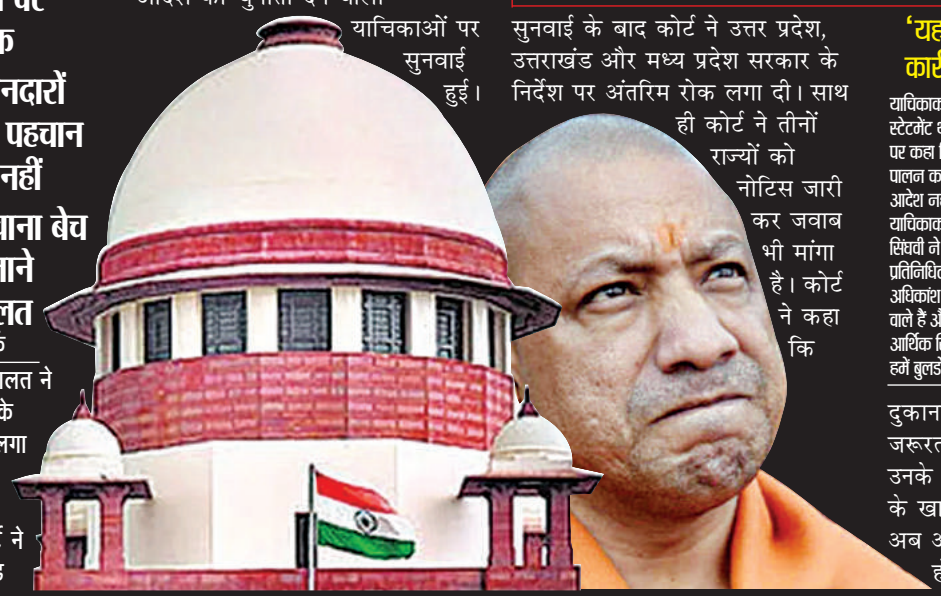

कांवड़ यात्रा में सभी धर्मों के लोग करते हैं मदद : सिंघवी

सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से कहा कि हमें स्थिति को इस तरह से नहीं बताना चाहिए कि यह जमीनी हकीकत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाए। इन आदेशों में सुरक्षा और स्वच्छता के आयाम भी शामिल हैं। सिंघवी ने कहा कि कांवड़ यात्रा दशकों से होती आ रही है और मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध समेत सभी धर्मों के लोग उनकी यात्रा में मदद करते हैं। अब आप उन्हें बाहर कर रहे हैं। सिंघवी ने कहा कि हिंदुओं की ओर से भी बहुत से शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट चलाए जाते हैं। इनमें मुस्लिम कर्मचारी भी काम कर सकते हैं। क्या मैं कह सकता हूं कि मैं वहां कुछ भी नहीं खाऊंगा, क्योंकि वहां का खाना किसी न किसी तरह से मुसलमानों या दलितों की ओर से बनाया या परोसा जा रहा है?

'यह छद्म आदेश, लोगों को बुल्डोजर कार्रवाई का करना पड़ रहा सामना'

याचिकाकर्ताओं के वकील ने जवाब दिया कि पहले प्रेस स्टेटमेंट था और फिर लोगों में आक्रोश दिखने लगा और इस पर कहा कि यह स्वैच्छिक है, लेकिन वे इसका सख्ती से पालन कर रहे हैं। वकील ने कहा कि यह कोई औपचारिक आदेश नहीं है, बल्कि पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह एक छद्म आदेश है। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि अधिकांश लोग बहुत गरीब, सब्जी और चाय की दुकान चलाने वाले हैं और इस तरह के आर्थिक बहिष्कार के कारण उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो जाएगी। इसका पालन न करने पर हमें बुलडोजर की कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

आदेश में स्वेच्छा नहीं : वकील

अभिषेक मनु सिंघवी ने आगे कहा कि निर्देश में स्वेच्छा से लिखा है, लेकिन स्वेच्छा कहां है? अगर मैं बताऊंगा तो मैं दोषी हूं और अगर नहीं बताऊंगा तो भी मैं दोषी हूं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या कांवड़ यात्रा के श्रद्धालु (कांवरिया) भी यह उम्मीद करते हैं कि खाना किसी खास श्रेणी के मालिक द्वारा पकाया जाना चाहिए?

पेपर लीक मामले पर केंद्र को राहुल-अखिलेश ने घेरा

» शिक्षा मंत्री पर जमकर बरसे 'यूपी के दो लड़के'

» नेता प्रतिपक्ष ने परीक्षा प्रणाली को बताया बकवास

» अखिलेश का धर्मेंद्र प्रधान पर हमला- जब तक ये मंत्री जी रहेंगे बच्चों को न्याय नहीं मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज से संसद के मानसून सत्र की शुरूआत हो गई है। आज सत्र के पहले दिन ही लोकसभा में नीट पेपर लीक मुद्दे को लेकर जमकर हंगामा देखने को मिला। पेपर लीक मामले को लेकर विपक्ष ने सरकार को जमकर घेरा।

इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जमकर खरी-खोटी सुनाई, वहीं राहुल गांधी और शिक्षा मंत्री के बीच जबरदस्त नोकझोंक भी देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश के लाखों छात्रों से जुड़े मुद्दे पर कुछ नहीं हो रहा है। यह बेहद चिंता का विषय है। भारत की परीक्षा प्रणाली बकवास है। विपक्ष के नेता के इस बयान की केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने निंदा की। उन्होंने शिक्षा सुधार के लिए 2010 में कांग्रेस सरकार की ओर से लाए गए बिल को लेकर पलटवार किया।

भारत की परीक्षा प्रणाली धोखे से भरी है : राहुल

सदन में नीट के मुद्दे को उठाते हुए नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारत की परीक्षा प्रणाली धोखे से भरी है। लाखों लोग मानते हैं कि अगर आप अमीर हैं और आपके पास पैसा है, तो आप भारतीय परीक्षा प्रणाली को खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर नीट पेपर लीक लेना सिस्टम की चूक थी तो उसे सुधारने के लिए क्या किया गया? मंत्री खुद को छोड़कर सबको दोषी ठहरा रहे हैं। लाखों छात्रों परेशान हैं कि देश में क्या चल रहा है। राहुल गांधी ने सरकार से पूछा कि नीट एक व्यवस्थित मुद्दा है, तो आप इस मुद्दे को ठीक करने के लिए क्या कर रहे हैं?

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया पलटवार

विपक्ष के आरोपों पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मैं देश की परीक्षा प्रणाली को बकवास कहने की निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि 2010 में कांग्रेस सरकार में शिक्षा मंत्री शिक्षा सुधार को लेकर तीन बिल लाए थे। जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुचित प्रथाओं जैसे कैपिटेशन शुल्क की मांग करना, योग्यता बिना छात्रों को प्रवेश देना, शुल्क की रसीद जारी न करना, छात्रों को गुमराह करने से रोकना शामिल था। तो किसके दबाव में कांग्रेस सरकार ने बिल लागू नहीं होने दिया और हमसे प्रश्न पूछते हैं।

अखिलेश ने भी केंद्र पर उठाए सवाल

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस दौरान केंद्र पर कई आरोप लगाए। अखिलेश ने कहा कि सरकारी सीटें 30 हजार हैं और हर सेंटर पर दो से ढाई हजार बच्चे पास हुए। जब तक ये मंत्री जी रहेंगे तो बच्चों को न्याय नहीं मिलेगा। सपा चीफ अखिलेश के आरोपों पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी पलटवार किया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अखिलेश जी सब यूपी के सीएम थे तो कितनी बार यूपी में पेपर लीक हुए। पिछले 7 सालों में पेपर लीक का कोई सबूत नहीं मिला और ये मामला भी सुप्रीम कोर्ट में है।

जल्द ही गिरने वाली है केंद्र की एनडीए सरकार : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- केंद्र में बैठे विभाजनकारी लोग देश को बांटना चाहते हैं, ममता ने कहा- चुनाव आयोग व सरकारी एजेंसियों की मदद से बनी सरकार स्थिर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार 21 जुलाई को कोलकाता के एस्प्लेनेड में शहीद दिवस रैली की। इस रैली में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के अलावा अखिलेश यादव ने भी भी हिस्सा लिया। लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद बंगाल में ये टीएमसी की पहली बड़ी रैली है। इस रैली के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा व केंद्र की एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा।

कोलकाता के धर्मतल्ला में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने ये दावा किया कि केंद्र की एनडीए सरकार जल्द ही गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि ये लोग इस बार जो सत्ता में आए हैं वो कुछ दिनों के मेहमान हैं। ये सरकार चलने वाली नही है। उन्होंने दावे के साथ कहा कि केंद्र की सरकार जल्द ही गिरने वाली है।

सांप्रदायिक ताकतें रच रहीं षड़यंत्र

रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जब हम देश की राजनीति को देखते हैं तो आज की चुनौती बढ़ी है। सांप्रदायिक ताकतें षड़यंत्र रच रही हैं। जो सत्ता में लोग हैं और दिल्ली के इशारे पर जो लोग अलग-अलग जगहों पर बैठे हैं वो लगातार षड़यंत्र कर रहे हैं। बंगाल में आपने भाजपा को पीछे छोड़ दिया, उत्तर प्रदेश ने भी आपके साथ मिलकर पीछे छोड़ दिया। ये जो कुछ दिन के लिए सत्ता में आए हैं ये कुछ दिन के मेहमान हैं। दिल्ली की सरकार चलने वाली नहीं है। वो सरकार गिरने वाली है। हम एक दिन देखेंगे कि यही सरकार गिरेगी और हमारे आपके लिए खुशियों के दिन आएंगे।

हम अकेली एकमात्र पार्टी जिसकी 38 प्रतिशत सांसद महिलाएं हैं : ममता

ममता बनर्जी ने भी केंद्र की सरकार गिरने के अखिलेश के दावे का समर्थन करते हुए कहा कि मैं आपके साथ सहमत हूं कि दिल्ली में सरकार ने एजेंसी लगाकर, चुनाव आयोग को लगाकर जो सरकार लाई गई है, वह सरकार स्थिर नहीं है, वह सरकार कभी भी जा सकती है। ममता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसके 38 प्रतिशत निर्वाचित सांसद महिलाएं हैं। चुनावों से पहले, कई लोग राजनीति में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देने का दावा करते थे, लेकिन ऐसा नहीं कर पाए। हम एकमात्र ऐसी पार्टी हैं जिसने 38 प्रतिशत महिला प्रतिनिधियों को सुनिश्चित किया।

संविधान को बचाने के लिए हमें एक होना होगा

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हुए अखिलेश ने कहा कि वह जान हथेली पर रखकर लड़ती हैं। अखिलेश ने कहा कि केंद्र की सत्ता में विभाजनकारी ताकतें बैठी हैं जो देश को बांटकर राज करना चाहती हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। निकट भविष्य में उन्हें पराजित किया जाएगा। सपा प्रमुख ने आगे कहा कि केंद्र में सत्ता में बैठी यह सरकार, जिसे लोगों की परवाह नहीं है, जल्द ही गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि हम सकारात्मक राजनीति में विश्वास करते हैं। लोगों के जीवन में बदलाव का समय आ गया है। संविधान और देश को बचाने के लिए हम सभी को एकजुट होना होगा।

बसपा को मजबूत करने के लिए जमीन पर उतरेंगे आकाश

» संगठन का विस्तार करने के लिए कई राज्यों का करेंगे दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद अब बसपा एक बार फिर खुद को पुन: मजबूत करने का प्रयास कर रही है, जिसकी जिम्मेदारी पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद के कंधों पर है। नेशनल कोआर्डिनेटर एवं मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद पार्टी संगठन का विस्तार करने के लिए अगस्त माह के पहले सप्ताह से सभी राज्यों का दौरा करेंगे। इसकी शुरुआत हरियाणा से हो सकती है, जहां जल्द विधानसभा चुनाव होना है। तत्पश्चात आकाश पूरे देश में दलितों को एकजुट करने की कवायद करेंगे।

सूत्रों की मानें तो नई दिल्ली स्थित बसपा के केंद्रीय कार्यालय द्वारा आकाश आनंद के दौरे का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है, जिसे अगले हफ्ते अंतिम रूप दे दिया जाएगा। टीम आकाश आनंद से जुड़े एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

मायावती से मिली मंजूरी

दरअसल, यूपी में लोकसभा चुनाव में आकाश के तेवरों के बाद हर राज्य में पार्टी संगठन द्वारा उन्हें बुलाया जा रहा है। इसी वजह से आकाश ने कई राज्यों का दौरा करने का फैसला लिया है ताकि पार्टी को मजबूत किया जा सके। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी इसकी सहमति दे दी है। अपने दौरे में आकाश अन्य राज्यों में पार्टी की संभावनाओं को तलाशने के साथ दलित वोट बैंक को बसपा के पक्ष में लाने की कोशिश करेंगे।

आकाश को फिर से मिली है निर्णय लेने की जिम्मेदारी

लोकसभा चुनाव के बाद वापसी करने वाले आकाश की मौजूदगी अब पार्टी के हर महत्वपूर्ण कार्यक्रम में देखी जा सकती है। उन्हें लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गयी है, जिसके बाद उन्होंने इंडियन नेशनल लोकदल के साथ गठबंधन को मूर्त रूप दिया। इसी वजह से उन्हें प्रत्याशी चयन की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है। वहीं बीते दिनों बसपा प्रदेश अध्यक्ष की हत्या के बाद आकाश बसपा सुप्रीमो मायावती के साथ तामिलनाडु भी गए थे।

चंद्रशेखर आजाद से मिल रही कड़ी चुनौती

आकाश के कई राज्यों के दौरे के पीछे की वजह पार्टी के साथ उनकी खुद की पहचान को मजबूत करना है। यह तरीका कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी अपनाया था, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा था। वहीं दूसरी ओर बसपा को सीधी चुनौती दे रहे आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद भी खासे एक्टिव हैं और लगातार दौरे कर रहे हैं। इसी वजह से आकाश ने भी पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए मैदान में उतरने का फैसला लिया है।

बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से हो चुकी है ध्वस्त : सुनील कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में हो रही आपराधिक घटनाओं को लेकर विपक्ष नीतीश सरकार पर हमलावर है। विपक्ष के नेताओं ने यहां तक कह दिया है कि सीएम नीतीश कुमार से बिहार नहीं संभल रहा है।

अब आरजेडी के एमएलसी सुनील कुमार ने सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बिहार के 13 करोड़ लोगों से पूछिए, आज अदृश्य शक्ति सरकार चला रही है। सुनील कुमार ने कहा कि जिस तरह से लगातार हत्या हो रही है, बलात्कार हो रहा है, डकैती हो रही है, कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है, कोई देखने वाला नहीं है। ये समझिए कि परमात्मा सरकार चला रहे हैं। ये बहुत ही वीभत्स स्थिति है। कब किसकी हत्या हो जाए यह कोई नहीं जानता है।

हम पांच सीटों पर मजबूती से लड़ेंगे उपचुनाव : अजय राय

» कांग्रेस यूपी प्रमुख बोले- सभी 10 सीटों पर हारेगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 10 सीटों पर उपचुनाव होने वाले है। विधानसभा के उपचुनाव को लेकर तमाम पार्टियों ने कमर कसनी शुरू कर दी है। उपचुनाव के लिए एक बार फिर सपा-कांग्रेस साथ मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने एक बड़ा बयान दिया है।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव की 10 सीटों पर तैयारियों को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कांग्रेस आगामी उपचुनाव में 5 सीटों पर अपनी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। हमने सभी 10 विधानसभा सीटों से कार्यकर्ताओं को बुलाया था, लेकिन हमने 5 सीटों पर ही विचार किया है। जो 5 सीटें भाजपा और उनके सहयोगी दलों के पास थीं, हम उन 5 सीटों के लिए तैयारी कर रहे हैं।

बीजेपी को जनता नहीं कर रही पसंद

अजय राय ने हाल ही में सात राज्यों में हुए उपचुनाव के परिणामों का जिक्र करते हुए कहा कि जब उपचुनाव सत्ता का होता है, तो 7 राज्यों में 13 जगह पर हुए उपचुनावों के नतीजे देखिए। उत्तराखंड में भाजपा की सरकार होने के बावजूद बीजेपी बद्रीनाथ और हरिद्वार की दोनों सीटें हार गई। सत्ता को जनता पसंद करती है, क्योंकि उन्हें लगता है कि सत्ता में रहकर काम करेंगे। लेकिन अब भाजपा का इतना विरोध है कि उत्तर प्रदेश में भी वही हाल होगा। भाजपा सभी 10 सीटें हारेगी और गठबंधन ये सीटें जीतेगा।

भाजपा लोगों को बांटने का काम करती है

वहीं कावड़ यात्रा नेमप्लेट विवाद पर अजय राय ने कहा कि बीजेपी यह कांवड़ यात्रा के लिए नया नियम यात्रा से पहले लाना चाहिए था। कभी यात्रा में कोई दिक्कत नहीं आई, इस देश में एक दूसरे के साथ लोग खड़े रहे हैं। कहीं पर भी किसी को कष्ट देने की बात नहीं आई। लेकिन, भाजपा केवल लोगों को बांटने का काम करती है। कांवड़ यात्रा में हर जाति साथ रहती है। पिछड़ी हो, अनुसूचित हो, ब्राह्मण हो, ठाकुर हो, हर वर्ग कांवड़ यात्रा में खड़ा रहता है। हिंदू मुस्लिम सब एक दूसरे के साथ रहते थे।

अमित शाह को देश का गृहमंत्री कहने में आती है शर्म : राउत

» बोले- लगता है मोदी-शाह में आपस में कोई लड़ाई है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में गृहमंत्री अमित शाह के भाषण को लेकर सियासत गर्मा गई। अमित शाह ने बीजेपी अधिवेशन में उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर तीखा हमला बोला था। अब शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है।

संजय राउत ने कहा कि अमित शाह देश के गृहमंत्री हैं ये कहने में हमें शर्म आती है। अमित शाह ने जिस व्यक्ति पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था वो अशोक चव्हाण आज अमित शाह के बगल में बैठे दिखाई देते हैं। इन्हीं की बीजेपी सरकार ने शरद पवार को पद्म विभूषण पुरस्कार से नवाजा और खुद मोदी जी ने उनकी तारीफ की। मुझे लगता है मोदी और शाह में आपस में कोई लड़ाई हुई है, इसलिए ये मतभेद दिखाई दे रहा है।

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि शिवसेना नेता आनंद दिघे के जीवन पर आधारित फिल्म 'धर्मवीर' का दूसरा भाग राजनीति से प्रेरित है और निर्माता दिवंगत नेता की स्मृति का अपमान कर रहे हैं।

बीजेपी को घेरने का चक्रव्यूह तैयार

विपक्ष ने सत्ता पक्ष के खिलाफ खोला मोर्चा

» एनडीए की केंद्र से लेकर राज्य सरकारों पर विपक्ष का वार

» छत्तीसगढ़ में कांग्रेस साजिशाना और झूठा नैरेटिव चला रही : भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव में जीत से उत्साहित इंडिया गठबंधन एनडीए सरकार व प्रधानमंत्री मोदी पर हमले को कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है। इंडिया के सभी सियासी दल केवल केंद्र की बीजेपी सरकार ही नहीं उसकी विभिन्न राज्यों में जो सरकारे हैं उसको भी घेर रहीं है। वो चाहे यूपी की योगी हों या छत्तीसगढ़ की साय, राजस्थान की भजन, असम की हिमंत सरकार ।

हालांकि इंडिया गठबंधन पर पलटवार करने से एनडीए के सहयोगी भी पीछे नहीं हट रहे हैं। जैसे छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस इन दिनों लगातार राज्य सरकार को घेरने का प्रयास कर रही है। राज्य के कानून व्यवस्था को कांग्रेस के उठाए सवाल पर भाजपा प्रदेश ने पलटवार किया है। वहीं असम में बाल विवाह के कानून में बदलाव पर कांग्रेस ने वहां के सीएम पर हमला बोला है। यूपी के योगी सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों को नेमप्लेट लगाने के आदेश को भी विपक्ष ने गंभीरता लेते हुए राज्य सरकार के खिलाफ मुखर हमला बोल दिया है।

छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस इन दिनों लगातार राज्य सरकार को घेरने का प्रयास कर रही है। राज्य के कानून व्यवस्था को कांग्रेस के उठाए सवाल पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने पलटवार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस आज किस मुंह से कानून-व्यवस्था के नाम पर विधवा-प्रलाप कर रही है? जातीय विद्वेष फैलाने के षड्यंत्र में जांच की आंच और नक्सली-उन्मूलन की कार्रवाई से बेचैन कांग्रेस कानून-व्यवस्था का प्रलाप मचाकर साजिशाना और झूठा नैरेटिव चला रही। प्रदेश प्रवक्ता गुप्ता ने विधानसभा घेराव के कांग्रेस के ऐलान को कोरी सियासी ड्रामेबाजी बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले शासनकाल के आईने में अपने नाकारापन की सच्चाई देखे। कानून-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस द्वारा विधानसभा के घेराव के ऐलान को कोरी सियासी ड्रामेबाजी बताते हुए कहा है कि प्रदेश में अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेश सरकार सतत ठोस कदम उठा रही है और मुद्दाविहीन हो चली कांग्रेस इसमें ओछी राजनीति कर रही है। गुप्ता ने कहा कि दरअसल कांग्रेस नेताओं को अपने पिछले शासनकाल के आईने में अपने नाकारापन की सच्चाई देखना चाहिए, जब पूरा प्रदेश अपराधग? बन गया था। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुप्ता ने कहा कि आज भाजपा सरकार न केवल अपराधों की रोकथाम के लिए सतत प्रयत्नशील है, लेकिन प्रदेश को नक्सलियों के आतंक से मुक्त करने की दिशा में तेजी और सख्ती से पहल कर रही है। गुप्ता ने कहा कि बीजापुर का कांग्रेसी नेता तेलंगाना में हार्डकोर नक्सली के साथ पकड़ा गया था और यहां भूपेश सरकार के मंत्री उसके अपहरण की कहानी सुना रहे थे! कांग्रेस के शासन में छत्तीसगढ़ में एक साल में दस भाजपा पदाधिकारियों की टारगेट किलिंग भूपेश बघेल सहित चार तत्कालीन मंत्री अपने जिले को नहीं संभाल पा रहे थे। कांग्रेस के शासनकाल में न केवल माफिया राज, गुंडागर्दी बढ़ी, बल्कि प्रदेश के नागरिकों का आत्म-सम्मान के साथ सुरक्षित जीना तक दूभर हो गया था। हर तरह के अपराधों की तो बाढ़ा गई थी। कवर्धा साम्प्रदायिक दंगे की आग में झुलस गया, जिस कांग्रेस के राज में जबरिया धर्मांतरण के चलते आदिवासियों में वर्ग-संघर्ष के खतरनाक हालात पैदा हो गए थे, जिस कांग्रेस के राज में लव जिहाद के नाम पर बिरनपुर में मस्जिद के अंदर भुनेश्वर साहू की मॉब लिंचिंग कर दर्दनाक हत्या की गई, जिस कांग्रेस के राज में हिन्दुस्तान जिंदाबाद कहने पर भिलाई में एक सिख युवक की सरेआम हत्या करके उसके शव के साथ तक बदसलूकी की गई, जिस कांग्रेस के राज में रक्षाबंधन के दिन दो बहनों के साथ दरिंदगी हुई और उसके आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कांग्रेस के लोग हाथ-पैर मारते देखे गए, जिस कांग्रेस के राज में शिक्षक दिवस के दिन एक आदिवासी शिक्षिका सामूहिक यौन दुष्कर्म की शिकार हुई, जिसमें एक आरोपी कांग्रेस का नेता था, जिस कांग्रेस के राज में महिला दिवस के दिन राजधानी में महिलाओं पर अत्याचार की पराकाष्ठा की गई, वह कांग्रेस आज किस मुँह से कानून-व्यवस्था के नाम पर विधवा-प्रलाप कर रही है? गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में तो पुलिस इंस्पैक्टर बालिका छात्रावास में घुसकर मारपीट और गाली-गलौज करते थे। कई संगीन अपराधों में कांग्रेस नेता या उनके परिजनों की संलिप्तता को प्रदेश भूला नहीं है।

शाह अपनी सरकार की उपलब्धि नहीं बता पा रहे

महेंद्रगढ़ में आयोजित सम्मेलन में शाह ने कहा था, आप नौकरियों में भ्रष्टाचार, जातिवाद फैलाने, दलितों के साथ अन्याय और भाई-भतीजावाद का हिसाब दीजिए। आपको क्या हिसाब चाहिए? हम आपको चीजों का हिसाब देंगे और हरियाणा के लोग कांग्रेस से हिसाब मांगेंगे। अमित शाह के विकास से जुड़े आरोपों पर पलटवार करते हुए हुड्डा ने कहा, अमित शाह जिस स्थान पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे वह महेंद्रगढ़ का केंद्रीय विश्वविद्यालय था। वह हमसे विकास पर हिसाब मांग रहे थे। उस केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधारशिला कांग्रेस के समय रखी गई थी और उसका निर्माण हमारे समय में हुआ।

बीजेपी के पास अपने 10 साल के कार्यकाल का एक भी काम दिखाने के लिए नहीं है : हुड्डा

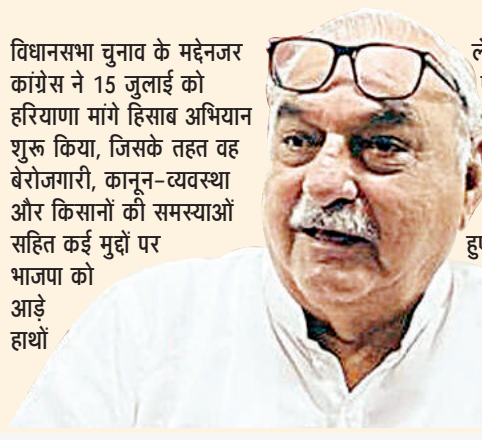

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस 2014 से सत्ता में न रहने के बावजूद भी अपने काम के नाम पर वोट मांग रही है, जबकि राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास अपने 10 साल के कार्यकाल का एक भी काम दिखाने के लिए नहीं है। हुड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कुछ भी हासिल नहीं कर पाई इसलिए वह अपने काम का हिसाब नहीं दे पा रही है और कांग्रेस से जवाब मांग रही है। हरियाणा में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने 15 जुलाई को हरियाणा मांगे हिसाब अभियान शुरू किया, जिसके तहत वह बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और किसानों की समस्याओं सहित कई मुद्दों पर भाजपा को आड़े हाथों ले रही है। हुड्डा ने कहा, सत्ता पक्ष विपक्ष से हिसाब मांग रहा है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसी हास्यास्पद बात हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए या विपक्ष में रहते हुए हमेशा अपने काम का हिसाब दिया है क्योंकि ''हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं।'' हुड्डा ने भाजपा नेता अमित शाह के महेंद्रगढ़ के हालिया दौरे का भी जिक्र किया, जिस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने हरियाणा मांगे हिसाब अभियान को लेकर हुड्डा पर निशाना साधा था। अमित शाह ने 16 जुलाई को एक पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते कहा था, हुड्डा साहब आपको 10 साल के कुशासन और हरियाणा को विकास से वंचित रखने का हिसाब देना होगा।

यूपी में कांवड़ मार्गों पर नेमप्लेट को लेकर सिब्बल ने उठाए सवाल, बीजेपी ने किया पलटवार

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि कांवड़ यात्रा पर जो राजनीति हो रही है, वह हमें विकसित भारत की ओर नहीं ले जाएगी। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्यमंत्रियों को ऐसे मुद्दे जिसका मकसद केवल राजनीति है, उन्हें नहीं उठाना चाहिए। आम आदमी का इन मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नेमप्लेट लगाने के निर्देश पर केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने कहा कि यह राज्य सरकार का मामला है, राज्य सरकार अगर तत्कालीन कोई विज्ञप्ति निकालती है तो सभी को मानना होता है। सांसद कपिल सिब्बल के बयान पर उन्होंने ने कहा कि मनमोहन सिंह किस पार्टी के प्रधानमंत्री थे और उनके आदेश क्या रहें? उन दिनों के ऑर्डर देखें

तो लिखा गया है कि नेमप्लेट लिखा होना चाहिए। कपिल सिब्बल मनमोहन सिंह जी के इस आदेश को देख लें। बता दें कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि कांवड़ यात्रा पर जो राजनीति हो रही है, वह हमें विकसित भारत की ओर नहीं ले जाएगी। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्यमंत्रियों को ऐसे मुद्दे जिसका मकसद केवल राजनीति है, उन्हें नहीं उठाना चाहिए। आम आदमी का इन मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है...मैं खासतौर पर यूपी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगा कि इसे रोकें। कांवड़ यात्रा पहले भी होती रही है...जो लोग यात्रा पर जाते हैं, सब जानते हैं कि कहां खाना है और कहां नहीं खाना है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हर दुकान पर अगर दुकानदार अपना नाम लिखकर रखेंगे तो इसमें हर्ज क्या है, इसे धार्मिक दृष्टिकोण से क्यों देख रहे हैं... कई बार हम किसी दुकान पर जाते हैं और उसे खोजते हैं तो दुकान के नाम से हमें उसे खोजने में आसानी होती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुनहरा सपना साकार करेंगे भारत के रणबांकुरे!

पेरिस में 2024 के ओलंपिक खेल आरंभ होने ही वाले हैं। चारो ओर भारत के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी जा रही है। आम से खास तक की प्रार्थना है कि हमारे खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा पदक हासिल करें। खिलाड़ियों ने भी भरोसा दिया है कि वह देश के लिए मेडलों की संख्या पिछले ओलंपिक खेलों की अपेक्षा बढ़ाएंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि सोना-चांदी के रंगो से हमारे खिलाड़ी सुनहरा इतिहास इसबार जरूर गढ़ेगे। 26 जुलाई को उद्घाटन समारोह के साथ ही खेलों के इस महाकुंभ का आगाज हो जाएगा। दुनिया के सभी देश इस बड़े खेल आयोजन में अपनी किस्मत आजमाने उतरेंगे। पिछले ओलंपिक खेल 2021 में जापान की राजधानी टोक्यो में हुए थे। वैसे इसे 2020 में होना था लेकिन कोविड महामारी के चलते एक साल आगे खिसकाना पड़ा। हर चार साल के बाद ओलंपिक खेलों का आयोजन होता है। जहां तक भारत की बात है तो इस बार हमारी तैयारी बहुत अच्छी है। टोक्यो में मिले सात पदकों की वजह से भारतीय दल का जोश हाई है। इस बार पदकों की संख्या दहाई के अंक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

देशवासियों को उम्मीद है कि पिछली बार से अधिक पदक अवश्य मिलेगा। टोक्यो में भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा एक सनसनी बन कर उभरे थे। उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल कर देश का नाम ऊंचा किया था। ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला स्वर्ण पदक था। पेरिस में भी नीरज चोपड़ा से वही प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद की जा रही है। चोपड़ा ने पिछले एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस में भारत के कुल 117 खिलाड़ी पदकों की होड़ में अपनी बाजी लगाएंगे। इनके साथ 140 लोगों का सपोर्ट स्टाफ भी जा रहा है। वहीं हॉकी जो भारत का लोकप्रिय खेल है। भारत को इसमें पदक की आस हमेशा रहती है। वजह, इस खेल में हमारा कई दशकों तक दबदबा रहा। भारत ने ओलंपिक में आठ स्वर्ण पदक जीते हैं। वह हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद का स्वर्णिम समय था। मगर, एक दौर वह भी आया जब हमारी हॉकी रसातल में चली गई। यूरोपीय टीमें हमसे आगे बढ़ गईं। 1976 के मांट्रियल ओलंपिक में भारतीय टीम सातवें स्थान पर रही। इसके बाद मास्को ओलंपिक-1980 में भारत ने स्वर्ण पदक जीता लेकिन इसकी अहमियत इसलिए नकार दी गई क्योंकि कई बड़े देशों ने मास्को ओलंपिक का बहिष्कार कर दिया था। हाकी इतिहास तो स्वर्णिम में अब आशा करना चाहिए कि वर्तमान भी सोने के रंग से रंगा होगा।

दुनिया के सभी देश इस बड़े खेल आयोजन में अपनी किस्मत आजमाने उतरेंगे। पिछले ओलंपिक खेल 2021 में जापान की राजधानी टोक्यो में हुए थे। वैसे इसे 2020 में होना था लेकिन कोविड महामारी के चलते एक साल आगे खिसकाना पड़ा। हर चार साल के बाद ओलंपिक खेलों का आयोजन होता है। जहां तक भारत की बात है तो इस बार हमारी तैयारी बहुत अच्छी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जहरीले कारोबार के खात्मे को राज्य आगे आएं

मधुरेन्द्र सिन्हा

पिछले कई वर्षों से नशे के कारोबार के खात्मे के लिये तमाम तरह के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन अब इसमें तेजी लाकर सरकार कई नए कदम भी उठा रही है। रणनीतिकारों की चिंता है कि कहीं भारत भी दक्षिणी अमेरिका के देशों की तरह नशे के कारोबार में न फंस जाये। उन देशों में युवा वर्ग इस खतरनाक कारोबार में बड़े पैमाने पर फंस गया है और अपने जीवन का नाश कर रहा है। ड्रग्स के धंधे पर कब्जा करने के लिए उन देशों में बड़ी हिंसा हो रही है और निर्दोष लोगों की जानें जा रही हैं। उनकी अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो गई हैं और भविष्य अंधकारमय है। इन्ही चिंताओं के बीच इस कारोबार के खात्मे के लिए लक्ष्य भी रखा है कि 2047 तक देश में नशे के कारोबार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया जाये ताकि देश नशे के कुचक्र से मुक्त हो जाये।

गृह मंत्रालय की एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा लगातार ड्रग्स को जब्त कर उसे नष्ट किया जा रहा है। इसकी सफलता का अंदाजा इन आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि 2014 से 2023 तक 12,000 करोड़ रुपये के बराबर 10 लाख 18 हजार किलोग्राम से भी ज्यादा ड्रग जब्त कर नष्ट कर दिए गये। इसके विपरीत 2006 से 2013 में कुल जब्ती डेढ़ लाख किलो की हुई थी जिसकी कुल कीमत 768 करोड़ रुपये थी। दरअसल, इसके लिए उन देशों का अध्ययन किया गया जहां नशे के कारोबार ने न केवल जीवन को त्रासद बना दिया बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को पैरालाइज कर दिया। ये देश गरीबी के गर्त में जा रहे हैं। इनसे सीख लेकर ही भारत में नशे के कारोबार के खात्मे के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं। इसके लिए इसकी तस्करी पर रोक लगाई जा रही है। जिन देशों से ड्रग की स्मगलिंग भारत में होती है, उन पर खास ध्यान दिया जा रहा है। इनमें गोल्डन ट्रिएंगल और गोल्डन क्रीसेंट के देश मसलन उत्तर में अफगानिस्तान, पूर्व में म्यांमार हैं। गृहमंत्रालय का मानना है कि भले ही दुनिया के लिए ये गोल्डन क्रीसेंट और गोल्डन ट्रिएंगल हैं लेकिन हमारे लिए और युवाओं के लिए ये डेथ ट्रिएंगल और डेश क्रीसेंट हैं। इन देशों से होने वाले ड्रग के कारोबार को रोकने के लिए दुनिया अपना नजरिया बदले।

दरअसल, नशीले पदार्थों की तस्करी को जड़ से मिटाने के लिए जीरों टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है, जिसके लिए त्रिसूत्रीय रणनीति तैयार की गई है। इसमें पहला है संस्थागत

ढांचे को सुदृढ़ बनाकर जवाबदेही सुनिश्चित करना। दूसरा है नार्को संस्थाओं के साथ समन्वय पर जोर देना। तीसरा है जागरूकता अभियानों के माध्यम से देशव्यापी प्रयास करना। इसके अलावा देश? के तमाम राज्यों में लगातार एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन भी किया जा रहा है। इसके लिए सभी राज्यों से राजनीतिक मतभेदों को एकतरफ रख मादक पदार्थ के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील भी की गई है ताकि नशीले पदार्थ का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोर रुख अपनाया जा सके। निस्संदेह, देश अभी उस मोड़ पर है जब देश में नशे के खिलाफ लड़ाई को लड़कर जीता जा सकता है। जो लोग ड्रग्स का सेवन करते हैं, वे पीड़ित हैं और जो उन्हें बेचते हैं वो अपराधी हैं। इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में ड्रग तस्करी के खिलाफ कई कदम उठाए गए हैं जिसके काफी अच्छे परिणाम मिले हैं। राष्ट्रीय नॉरकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और एएनटीएफ देश की दूसरी एजेंसियों के साथ समन्वय कायम कर युद्ध स्तर पर कई काम कर रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क पर चोट करने के लिए एनआईए, प्रवर्तन निदेशालय, जांच के लिए सीबीआई, समुद्र से तस्करी रोकने के लिए कोस्ट गार्ड और नौसेना से संयुक्त समन्वय समिति के जरिये काम किया जा रहा है। इन बहुआयामी प्रयासों के कारण जब्त किए गए नशीले पदार्थों की मात्रा में लगभग 160 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसका कारोबार करने वालों के खिलाफ दर्ज मामलों में 152 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 2006 से 2013 की अवधि के दौरान दर्ज मामलों की संख्या 1257 थी, जो 2014 से 2023 के दौरान 3 गुना बढ़कर लगभग 3755 हो गई है। वर्ष 2006 से 2013 में 1363 गिरफ्तारियां हुईं थी जो कि 2014 से 2023 की अवधि के दौरान 4 गुना बढ़कर करीब 5745 हो गई।

ड्रग्स के समूचे इकोसिस्टम को खत्म करने के लिए समुद्री मार्ग पर भारतीय तटरक्षक बल को नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टेंस एक्ट के तहत समुद्र में नशीले पदार्थों को जब्त करने की शक्ति प्रदान की गई है। ड्रग्स के स्रोत और बाजार, दोनों पर प्रहार करते हुए इसके पूरे नेटवर्क को जड़ सहित उखाड़ फेंकने का संकल्प है। ऐसे में राज्य सरकारों का भी फर्ज बनता है कि वह नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कड़े कदम उठायें और जनता में जागरूकता लायें।

आरक्षण की आग में झुलसता बांग्लादेश

पुष्परंजन

ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट खोलते ही एक सूचना सामने आ जाती है, 'सारे वीजा अप्लीकेंट नोट कर लें, आज 18 जुलाई को हमारा 'आईवीएसी सेंटर' बंद है।' गुरुवार को सारे दूतावास और वाणिज्यदूत कार्यालय बंद ही रहे। इन देशों ने अपने नागरिकों को सावधान रहने, और फिलहाल बांग्लादेश नहीं आने की सलाह दे रखी है। वहीं 18 जुलाई को देशव्यापी बंद काफी हिंसक रहा है। ढाका उत्तर में पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई है। मीरपुर में एक छात्र और आवामी लीग का एक कार्यकर्ता मारा गया। देशव्यापी हिंसा में जिस पैमाने पर लोग घायल हुए हैं, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बांग्लादेश टेलीविजन सेंटर को आग के हवाले कर दिया गया। छात्रों के दो समूहों के बीच देशव्यापी दंगा यदि आपने सुना, और देखा नहीं होगा, तो बांग्लादेश सबसे बड़ा उदाहरण है।

पूरे देश में गुरुवार को रेल और सड़क परिवहन सेवाओं को एहतियातन बंद कर दिया गया था। कोटा विरोधी प्रदर्शनकारियों ने ढाका के मोहाखाली में रेलवे लाइन को अवरुद्ध कर दिया था। देश के दूसरे हिस्से में भी रेल सेवा सुरक्षित नहीं दिखी। फार्मगेट इलाके में मेट्रोरेल पर हमला कर आगजनी की गई। काफी नुकसान के बाद हसीना सरकार ने हठ योग तोड़ा है। कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं। सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीरुज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है। 18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) को चार जिलों ढाका, बोगरा, राजशाही और चटगांव में तैनात किया गया था। चटगांव, राजशाही, रंगपुर, बोगरा, मैमनसिंह समेत कई जगहों पर बड़े पैमाने पर झड़पें हुई हैं। चटगांव के शोलशहर और मुरादपुर में संस्कार, छात्र लीग और जुबो लीग के बीच हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई। हिंसक प्रदर्शनों की चपेट में केवल छात्र ही नहीं, राहगीर और कारोबारी भी आ रहे हैं।

'छात्र लीग', सत्तारूढ़ आवामी लीग की छात्र शाखा है, जिसकी स्थापना 4 जनवरी, 1948 को शेख मुजीबुर्रहमान ने की थी, तब उसका नाम, 'ईस्ट पाकिस्तान स्टूडेंट लीग' था। उसे काउंटर करने के वास्ते 'बांग्लादेश जातीयताबादी छात्र दल' (जेसीडी) सड़कों पर दिखता है, जिसकी स्थापना, 1 जनवरी 1979 को बीएनपी के तत्कालीन नेता जनरल जियाउर्रहमान ने की थी। जमाते इस्लामी की छात्र शाखा, 'बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर' समय-समय पर इनके साथ खड़ी दिखती है। छात्र आंदोलनकारियों के बहाने क्या खालिदा जिया की बीएनपी को अपना खोया जनाधार मिलेगा? विश्लेषक इसका उत्तर ढूंढ़ रहे हैं।

बांग्लादेश के कानून मंत्री अनिसुल हक बोलते हैं, 'विपक्षी जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र विंग के सदस्य, आरक्षण विरोधी आंदोलन में कूद गए हैं। ये यही लोग हैं जिन्होंने हिंसा की शुरुआत की है। कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होनी है। छात्रों को भी मौका दिया गया है कि वो कोर्ट के सामने अपनी दलील रख सकें।' सवाल यह है कि जब देशव्यापी आग लगी हो, तो सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर तत्काल सुनवाई क्यों नहीं कर सकती? छात्र आंदोलन की आग में घी का काम शेख हसीना के हालिया बयान ने भी किया है। शेख हसीना ने आरक्षण का विरोध करने वालों के लिए 'रजाकार' शब्द का इस्तेमाल किया था। 'रजाकार' शब्द का इस्तेमाल कथित तौर पर उन लोगों के लिए क्या जाता है, जिन्होंने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। कई छात्र नेताओं का कहना है कि शेख हसीना ने 'रजाकार' से तुलना कर हमारा अपमान किया है। बांग्लादेश में आरक्षण की व्यवस्था मुक्ति संग्राम के बाद शुरू हुई। 5 सितंबर, 1972 को एक सरकारी आदेश में सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति में 20 प्रतिशत योग्यता कोटा, 30 प्रतिशत स्वतंत्रता सेनानी कोटा, और 10 प्रतिशत पीड़ित महिला कोटा की शुरुआत की गई। शेष 40 प्रतिशत जिला कोटा रखा गया। 1976 में योग्यता के आधार पर भर्ती को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया। 1985 में प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी पदों के लिए 45 प्रतिशत योग्यता आधारित भर्ती नियम लागू किया गया, शेष 55 प्रतिशत कोटे से नियुक्त किये जाते हैं। बाद में दिव्यांगों के लिए 1 फीसदी जोड़ने पर कुल कोटा 56 फीसदी हो जाता है। यानी हर 100 पदों पर 56 प्रतिशत लोगों को कोटे से लिया गया।

नाराजगी की एक और बड़ी वजह यह थी कि कोटे के अभ्यर्थी नहीं मिलने पर पद खाली रखने पड़ते थे। सरकार ने जनरल कोटे से पदों को भरने की बात की थी, लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ। युवाओं ने 2018 में भी 'कोटा सुधार आंदोलन' शुरू किया था। उसके हिंसक और बेकाबू होने पर शेख हसीना सरकार तब भी झुकी थी। 11 अप्रैल, 2018 को शेख हसीना ने संसद में कहा, 'जब कोई कोटा नहीं चाहता तो कोटा नहीं होगा, कोटा सिस्टम अमान्य है।' 2021 में कोटा रद्द करने के खिलाफ लोग कोर्ट चले गए। एक जुलाई, 2024 को ढाका हाईकोर्ट के जस्टिस केएम कमरुल कादर और जस्टिस खिजिर हयात की बेंच ने अधिकारियों को आरक्षण व्यवस्था फिर से लागू करने का आदेश दिया, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

बच्चों में जानलेवा साबित हो सकता है

जापानी इंसेफेलाइटिस

बरसात का ये मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है। दूषित जल के कारण पेट में होने वाले संक्रमण के साथ, मच्छरजनित बीमारियों का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है। इस मौसम में देश के कई हिस्सों में इंसेफेलाइटिस बीमारी का खतरा भी देखा जाता रहा है, इसे दिमागी बुखार के रूप में जाना जाता है। मुख्यरूप से बच्चों और बुजुर्गों को होने वाली ये बीमारी जानलेवा भी हो सकती है। इंसेफेलाइटिस मस्तिष्क में सूजन की बीमारी है। यह वायरल या बैक्टीरियल संक्रमणों के कारण हो सकती है। कुछ स्थितियों में प्रतिरक्षा कोशिकाओं द्वारा गलती से मस्तिष्क पर हमला करने के कारण भी ऐसा हो सकता है। मच्छरों और टिक जैसे कीड़ों के माध्यम से भी ये संक्रमण फैल सकता है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इंसेफेलाइटिस का ही एक रूप जापानी इंसेफेलाइटिस काफी ज्यादा रिपोर्ट की जाती रही है। हालांकि सरकार के प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों में इसपर काफी नियंत्रण पाया गया है। इस गंभीर रोग का तुरंत निदान और उपचार करवाना महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि ये बीमारी क्यों इतनी खतरनाक है और इससे कैसे बचा जा सकता है?

मस्तिष्क को प्रभावित करती है ये बीमारी

जापानी इंसेफेलाइटिस मस्तिष्क को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। मस्तिष्क संबंधी लक्षणों के कारण कुछ लोगों में आजीवन जटिलताएं जैसे बहरापन, अनियंत्रित भावनाओं की समस्या या शरीर के एक तरफ कमजोरी जैसी दिक्कतें बनी रह सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, घरों के आसपास स्वच्छता का ध्यान रखकर, पानी का जमाव न होने देने वाले उपाय करके, मच्छरों से बचाव करके इस खतरनाक रोग से सुरक्षित रहा जा सकता है।

लक्षण

जापानी इंसेफेलाइटिस, संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता है। ज्यादातर संक्रमितों में हल्के लक्षण दिखते हैं हालांकि गंभीर बीमारी वालों को बुखार, सिरदर्द और उल्टी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अगर समय रहते इनपर ध्यान न दिया जाए तो इससे भ्रम, दौरे पड़ने और कोमा का खतरा भी हो सकता है। बच्चों में जापानी इंसेफेलाइटिस के कारण दौरे पड़ने जैसे लक्षण अधिक देखे जाते रहे हैं।

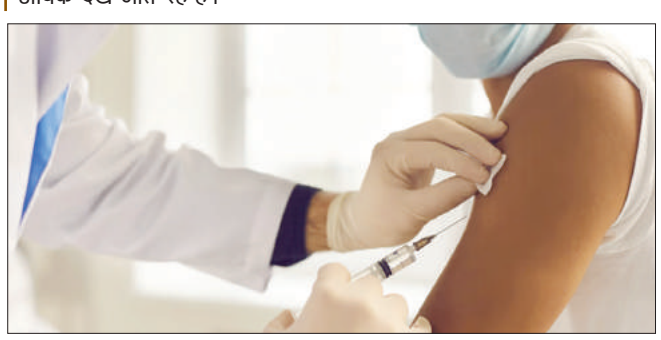

खतरा

अध्ययनों में पाया गया है कि ग्रामीण इलाकों जहां स्वच्छता की कमी होती है या मच्छरों के अधिक प्रजनन वाले क्षेत्रों में इस रोग का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। जिन स्थानों पर पहले से जापानी इंसेफेलाइटिस के मामले अधिक हैं वहां की यात्रा करने से आपमें भी इसका जोखिम बढ़ सकता है। जापानी इंसेफेलाइटिस के मामले गर्मियों और बरसात के मौसम में काफी अधिक रिपोर्ट किए जाते रहे हैं। बच्चों में इसका खतरा अधिक होता है क्योंकि जिन क्षेत्रों में यह वायरस स्थानिक (एंडेमिक) है, वहां वयस्क आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ इससे प्रतिरक्षित हो जाते हैं।

क्या जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए कोई वैक्सीन है?

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, अप्रैल, 2013 से जापानी इंसेफेलाइटिस के स्थानिक जिलों के लिए वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है। दो खुराक वाली वैक्सीन, पहली 9 महीने की उम्र में खसरे के साथ तथा दूसरी 16-24 महीने की उम्र में डीपीटी बूस्टर के साथ दी जाती है। बच्चों को ये टीके लगवाकर उन्हें जापानी इंसेफेलाइटिस और इसके कारण होने वाली गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं से बचाया जा सकता है। जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए रोकथाम ही सर्वोत्तम उपचार है। स्वच्छता के उपाय और मच्छरों के काटने से बचाव करके इस घातक बीमारी से बचा जा सकता है।

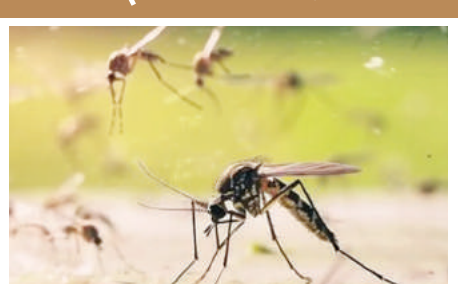

हंसना मना है

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थेशादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते...पति- क्या तुमने कभी किसी को। चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

परीक्षा में सवाल आया था, चैलेंज किसे कहते हैं? लल्लू ने पूरा पेपर खाली छोड़ दिया और आखिरी पेज पर लिखा- अगर हिम्मत है तो पास करके दिखाओ।

गप्पू का पांव केले के छिलके पर पड़ा और वो फिसल गया। गप्पू उठा और फिर आगे चला, तो दूसरे छिलके में पांव पड़ा और फिर फिसल गया। गप्पू फिर उठा और थोड़ा आगे और चला, तो उसे तीसरा छिलका दिख गया। गप्पू रोते-रोते बोला : धत तेरे की, अब फिर से फिसलना पड़ेगा।

लड़के वाले लड़की देखने आए। लड़के वाले : आपकी लड़की का क्या नाम है? लड़की वाले: हमारी प्यारी, सबकी प्यारी, रामप्यारी। लड़की वाले: आपके लड़के का क्या नाम है? लड़के वाले: हमारा पी, आपका पी, सबका पी.. पप्पी।

पत्नी: मेरे गांव में बोलने वाला पहला रेडियो मेरे पापाजी लेकर आये थे। पति: अपनी मम्मी के बारे में ऐसा नहीं बोलते, पगली।

कहानी — स्त्री-भक्त राजा

एक राज्य में अतुलबल पराक्रमी राजा नन्द राज्य करता था। उसकी वीरता चारों दिशाओं में प्रसिद्ध थी। आसपास के सब राजा उसकी वन्दना करते थे। उसका राज्य समुद्र-तट तक फैला हुआ था। उसका मन्त्री वररुचि भी बढ़ा विद्वान और सब शास्त्रों में पारंगत था । उसकी पत्नी का स्वभाव बड़ा तीखा था। एक दिन वह प्रणय-कलह में ही ऐसी रुठ गई कि अनेक प्रकार से मनाने पर भी न मानी। तब, वररुचि ने उससे पूछा-प्रिये! तेरी प्रसन्नता के लिये मैं सब कुछ करने को तैयार हूँ । जो तू आदेश करेगी, वही करुँगा। पत्नी ने कहा-अच्छी बात है। मेरा आदेश है कि तू अपना सिर मुंडाकर मेरे पैरों पर गिरकर मुझे मना, तब मैं मानूंगी। वररुचि ने वैसा ही किया। तब वह प्रसन्न हो गई। उसी दिन राजा नन्द की स्त्री भी रुठ गई। नन्द ने भी कहा-प्रिये! तेरी अप्रसन्नता मेरी मृत्यु है। तेरी प्रसन्नता के लिये मैं सब कुछ करने के लिये तैयार हूँ। तू आदेश कर, मैं उसका पालन करूंगा। नन्दपत्नी बोली-मैं चाहती हूँ कि तेरे मुख में लगाम डालकर तुझपर सवार हो जाऊँ, और तू घोड़े की तरह हिनहिनाता हुआ दौड़े। अपनी इस इच्छा के पूरी होने पर ही मैं प्रसन्न होऊँगी। राजा ने भी उसकी इच्छा पूरी करदी । दूसरे दिन सुबह राज-दरबार में जब वररुचि आया तो राजा ने पूछा-मन्त्री ! किस पुण्यकाल में तूने अपना सिर मुंडाया है? वररुचि ने उत्तर दिया-राजन् ! मैंने उस पुण्य काल में सिर मुँड़ाया है, जिस काल में पुरुष मुख में लगाम डालकर हिनहिनाते हुए दौड़ते हैं।

राजा यह सुनकर बड़ा लज्जित हुआ।

10 अंतर खोजें

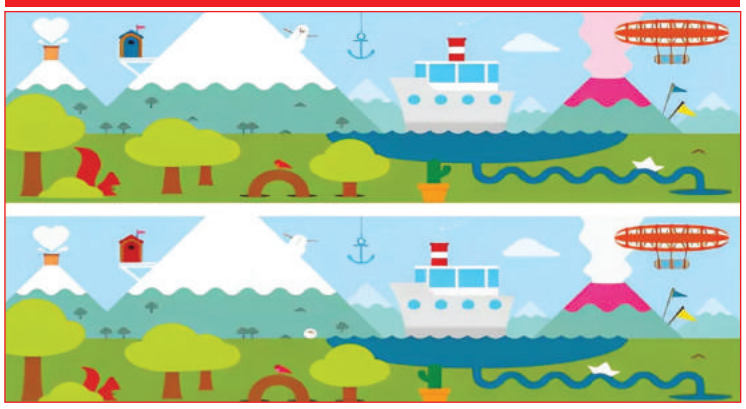

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषभ

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क

भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

सिंह

व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है।

कन्या

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

तुला

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा।

वृश्चिक

दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा।

धनु

प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है।

मकर

आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

कुम्भ

शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन

घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

अब विवादों में फंसे दिलजीत दोसांझ

बॉलीवुड | मसाला

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने अपनी सिंगिंग के अलावा एक्टिंग के दम पर दुनियाभर में एक खास पहचान हासिल की है। उनका देसी अंदाज उन्हें हमेशा लोगों के दिलों के नजदीक रखता है। हालांकि, इस बार दिलजीत की वजह से एक विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, कुछ समय दिलजीत अपने इंटरनेशनल म्यूजक टूर दिल-लुमिनाती को लेकर चर्चा में हैं। इस दौरान उनके कॉन्सर्ट में भारी-भरकम भीड़ देखने को मिलती रहती है। अब इस टूर को लेकर दिलजीत विवादों में आ गए हैं।

एक कोरियोग्राफर ने दिलजीत पर पैसे न देने का आरोप लगाया है। रजत रॉकी नाम के इस कोरियोग्राफर का कहना है कि इस टूर के दौरान जो देसी डांसर्स शामिल किए गए थे, उन्हें दिलजीत ने अब तक पैसे नहीं दिए हैं।

रजत ने सोशल मीडिया पर यह दावा करते हुए एक पोस्ट भी शेयर किया है। बता दें कि रजत रॉकी, आरआरी डांस कंपनी के कोरियोग्राफर हैं और लॉस एंजिल्स में रहते हैं।

रॉकी ने इस पोस्ट में लिखा, हमारे देसी डांस आर्टिस्ट पूरे उत्तरी अमेरिका में टूर करते हैं, लेकिन मुझे निराशा होती है कि हमारी इंडस्ट्री में देसी डांसर्स की कोई कदर ही नहीं होती है। दिलजीत दोसांझ के टूर के समय देसी डांसर्स को पैसे ही नहीं दिए गए। ऐसी उम्मीद की जाती है कि देसी कलाकार मुफ्त में काम करते हैं। यह देखना वाकई बहुत निराशाजनक है। दिलजीत के फैंस इस पोस्ट पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं और हैरान रह गए हैं।

दूसरी ओर दिलजीत के वर्कफ्रंट की बात करें तो पिछले ही दिनों उन्होंने चमकीला फिल्म से दर्शकों का खूब दिल जीता। फिलहाल वह पंजाबी फिल्म जट्ट एंड जूलियट 3 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में एक्टिंग करने के अलावा वह निर्माता के तौर पर भी इसके साथ जुड़े। बताया जा रहा है कि अब दिलजीत जल्द ही नो एंट्री 2 में दिखाई देने वाले हैं।

'मिर्जापुर' की 'माधुरी भाभी' ने इंडस्ट्री के काले सच से उठाया पर्दा

मिर्जापुर का तीसरा सीजन इस वक्त सुर्खियों में बना हुआ है। हाल ही में रिलीज हुए इस शो के सारे किरदार किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। अब माधुरी यादव भी चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल अभिनेत्री अपने रोल के लिए तो मशहूर हैं हीं, साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कुछ ऐसा खुलासा किया है, जो कि वाकई हैरान करने वाला है। मिर्जापुर की माधुरी भाभी यानि ईशा तलवार ने बॉलीवुड में होने वाली कास्टिंग के बारे में कुछ कहा है। हालांकि यह कास्टिंग काउच को लेकर नहीं है। उन्होंने बताया कि आखिर बी-टाउन में फिल्मों और सीरीज में रोल कैसे मिलते हैं।

ईशा तलवार ने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया है कि आज के समय में फिल्मों में टैलेंट कोई मायने नहीं रखता है। आप कितने भी टैलेंटेड हों, वो आपको रोल नहीं दिला सकता है। ईशा का कहना है कि फिल्मों और सीरीज के लिए सोशल मीडिया पर आपके कितने चाहने वाले हैं, यानि कितने फॉलोवर्स हैं यह बात मायने रखती है। अगर आपके पास फॉलोवर्स ज्यादा हैं तो आपको रोल मिलेगा या फिर मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर आपको चुन लिया जाएगा। या फिर कोरियोग्राफर या फोटोग्राफर के तौर पर चुनाव हो जाएगा। लेकिन इन सबके लिए आपका टैलेंट मायने नहीं रखता है। आप कितने अनुभवी हैं, इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

ईशा का कहना है कि बेशक फॉलोवर्स को खरीदा जा सकता है, लेकिन कास्टिंग का यह तरीका बिल्कुल सही नहीं है। उन्होंने बॉलीवुड को लेकर कहा कि कास्टिंग को लेकर टैलेंट की बजाय फॉलोवर्स के हिसाब से कास्टिंग करना तो बिल्कुल सही नहीं है। अभिनेता अपने किरदारों के लिए मेहनत करते हैं और ये तो फिर उनकी मेहनत का अनादर हुआ। ऐसे में तो कास्टिंग का आधार सिर्फ टैलेंट होना चाहिए न कि पॉपुलरिटी। ईशा का कहना है कि फॉलोवर्स के हिसाब से आप इस बात को कैसे तय कर सकते हैं कि जिस काम के लिए आप उसे चुन रहे हैं, वो उसे आता है।

बॉलीवुड | मन की बात

स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनकर खुश हूं : शरवरी

शरवरी वाघ इन दिनों बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। वह जल्द ही वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में नजर आने वाली हैं। आलिया भट्ट की तरह वो भी सुपर एजेंट की भूमिका में लोगों का दिल जीतने आ रही हैं। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के बैनर तले सलमान खान-कैटरीना कैफ की 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'टाइगर 3', ऋतिक रोशन-टाइगर श्रॉफ की 'वॉर', शाहरुख खान-दीपिका पादुकोण की 'पठान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बनी हैं। अब फैंस को शरवरी वाघ की 'अल्फा' का भी बेसब्री से इंतजार है। दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ की तरह स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बन कर शरवरी भी काफी खुश हैं। शरवरी ने कहा, 'इस बड़े स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। ईमानदारी से कहूं तो मैं ज्यादा दबाव महसूस नहीं कर रही हूं, क्योंकि मैं इस यूनिवर्स का हिस्सा बनने के प्रोसेस के हर पल को काफी एंजॉय कर रही हूं।' अपनी बात आगे रखते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर अभी भरपूर एनर्जी है। इस अवसर को पाने के लिए और देश की सबसे बड़ी सुपरस्टार्स में से एक आलिया भट्ट के साथ काम करने को लेकर बेहद उत्सुक हूं।'एक्ट्रेस ने कहा कि वह सेट पर जाने, हर दिन आलिया से सीखने और अपने सीन्स को अच्छी तरह से निभाने के इंतजार में रहती हैं। बता दें कि शरवरी ने कहा, 'अगर मैं दबाव को अपने ऊपर हावी होने दूंगी, तो मुझे मजा नहीं आएगा और मैं ऐसा नहीं चाहती। ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा बनना एक सपना सच होने जैसा है। मैं आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ को अपना आइडियल मानती हूं।'

सुहागरात के बाद सोता रह गया दूल्हा जेवर और कैश लेकर फुर्र हो गई दुल्हन

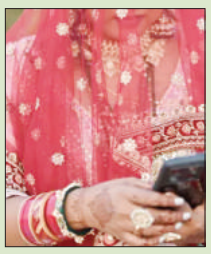

शादी में सात फेरो के वक्त कई वचन लिए जाते है जिसमें एक वचन साथ जीने मरने और कभी छोड़कर न जाने का भी होता है। लेकिन ये लड़की शादी के तीन दिन बाद ही अपने पति को छोड़ कर बॉयफ्रेंड के साथ फरार हो गई। उसका दूल्हा कमरे में सो रहा था। उसके सोने के बाद दुल्हन 1.30 लाख के गहने और 50 हजार कैश लेकर फरार हो गई है?। जब दूल्हे की आंख खुली तो दुल्हन नहीं दिखी। ससुराल के लोगों ने खोजबीन भी की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। लड़की के मायके में सूचना दी गई। इसी बीच दूल्हे को पता चला कि पत्नी ने रात को अपने प्रेमी को बुलाया था। फिर, उसके साथ फरार हो गई। फिलहाल, दोनों पक्ष दुल्हन की तलाश में जुट गए हैं।

आपको बता दें कि ये पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र का है। जहां साहेबगंज थाना के बासुदेवपुर सराय के रहने वाले बबलू कुमार की शादी इस साल 12 जुलाई को गोखुला दीवान टोला की रहने वाली मनीषा से बड़ी धूमधाम से हुई थी। लेकीन लड़की ने ऐसा कांड कर दिया जिससे पूरे इलाके में यह चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं इतना कुछ हो जाने के बाद मामले को लेकर ससुराल वालों ने साहेबगंज थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है। थाने को दी शिकायत में पीड़ित पति बबलू ने बताया कि शादी के बाद से लगातार उसकी पत्नी मनीषा फोन पर अपने प्रेमी से बात करती थी। विरोध करने पर भी वह नहीं मानती थी। 15 जुलाई की रात घर में मेहमान आए थे। उनके जाते ही हम लोग सो गए। इसके बाद चुपके से मनीषा ने मायके में रहने वाले अपने प्रेमी को बुलाया और ससुराल से फरार हो गई। वह 1.30 लाख के गहने और 50 हजार कैश भी अपने साथ ले गई। काफी खोजबीन करने पर भी नहीं मिली। पीड़ित ने आगे बताया कि उसकी शादी दिसंबर 23 में तय हुई थी इस साल होली में भी अंजान अज्ञात नंबर से मुझे फोन आया था कि इस लड़की से शादी नहीं करना नहीं तो तुम्हें अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा। इसकी जानकारी उसी समय अपने होने वाली सास को दी थी। उसके बाद शादी से पूर्व सास ने हमारी मुलाकात अपनी पुत्री से करवाई। मैंने उस मुलाकात में लड़की से पूछा था कि वह स्वेच्छा से शादी कर रही है कि दबाव में। उसने कहा था कि स्वेच्छा से शादी कर रही हूं। फिलहाल पुलिस लुटेरी दुल्हन की तलाश कर रही है।

अजब-गजब | यह तथाकथित धर्मगुरु अब बिता रहा है जेल में अपनी जिंदगी!

भगवान से बात करने का दिखावा करने वाले इस शख्स के पास थीं 79 पत्नियां

धर्मगुरु बन कर शोषण करने की एक अनोखी कहानी ऐसे शख्स की है जिसकी 79 पत्नियां थी। वह बाकायदा अमेरिका के ऐसे शहर में रह रहा था जहां एक से ज्यादा शादी करने की अनुमति थी। उसने पूरे शहर का एक वीडियो बनाया था जिसे दिखाकर खुद को वह धर्मगुरु के रूप में पेश करता था। बाद में नाबालिग यौन शोषण के आरोप में वह पुलिस से बचता फिरा और आखिर में पकड़ा गया और अब लंबी सजा काटते हुए वह जेल में है।

इस कहानी को एक ट्रैवल ब्लॉगर डू बिंस्की ने बयां किया है जब उसने इस तथाकथित धर्मगुरु वॉरेन जेफ्स की 65वीं पत्नी, ब्रिएल डेकर से मुलाकात की जो उसके साथ एक विशाल 44 कमरों वाले महल में रहा करती थी। डेकर एरिजोना के कोलोराडो शहर में इस पंथ नेता जेफ्स की कई पत्नियों में से एक थी।

बिंस्की के वीडियो का 'एंटरिंग अमेरिकाज ओनली पॉलीगैमिस्ट टाउन' शीर्षक था जो हाल ही में यूट्यूब पर फिर से

वायरल हुआ है और उसे 33 लाख लोगों ने देखा है। इसमें जेफ्स की कहानी बताई गई है। बाल यौन शोषण करने वाले पंथ नेता जेफ्स ने अपने समुदाय की वायरटैप की, ताकि वह दिखावा कर सके कि वह भगवान से बात कर रहा है और पकड़े जाने से पहले उसने लगभग 79 पत्नियों से विवाह किया था, जिनमें से कुछ 12 साल की भी थीं।

वह अब दो नाबालिग अनुयायियों का यौन उत्पीड़न करने के लिए टेक्सास की जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। बिंस्की और सैम ने ब्रील डेकर से उनके पूर्व घर, शॉर्ट क्रीक ड्रीम सेंटर में मुलाकात की, जहा वह चार महीने तक पंथ के नेता के साथ रहीं, । ब्रील से जेफ्स की शादी तब हुई जब वह खुद कानून से भाग रहा था।

जेफ्स भाग गया और कई सालों तक पकड़ से बचता रहा, पूरे अमेरिका में यात्रा करता रहा और यहां तक कि टेक्सास के एल्डोरैडो में एक परिसर भी बनवाया, इससे पहले कि वह FBI की 10 मोस्ट वांटेड सूची में शामिल हो गया और आखिर 2006 में पकड़ा गया। CNN के अनुसार, जेफ्स के संप्रदाय ने खुले तौर पर बहुविवाह किए, जबकि मुख्यधारा के चर्च ने एक सदी से भी पहले इसे खारिज कर दिया था।

संघ को सता रहा यूपी में भाजपा की हार का डर

» अब खुद संघ ने संभाला यूपी का मोर्चा, जल्द करेगा बैठक

पार्टी में मची अंतरकलह व उठापटक पर आरएसएस ने जताई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में आए निराशाजनक नतीजों के बाद से प्रदेश में भाजपा के अंदर के लगातार उठापटक मची हुई है। पार्टी के अंदर सरकार और संगठन के बीच रैंच मची हुई है। प्रदेश के शीर्ष पार्टी नेताओं द्वारा लगातार दिल्ली के चक्कर भी काटे जा रहे हैं। संभावनाएं ये भी बताई जा रही हैं कि आने वाले दिनों में योगी के मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव देखने को मिल सकती है। यही वजह है कि भाजपा के अंदरखाने में मची रार से पार्टी नेतृत्व तो पेशोपेश में है ही, लेकिन इससे सबसे अधिक चिंता संघ परिवार को हो रही है।

संघ परिवार को अब इस बात की चिंता सताने लगी है कि भाजपा नेताओं का यही हाल रहा तो कई दशकों की मेहनत पानी तो फिरेगा ही, साथ ही हिंदुत्व की अलग जगाने के अभियान को भी झटका लग सकता है। सूत्रों की माने तो संघ परिवार की पहल पर जल्द ही बैठक होगी, जिसमें भाजपा नेताओं के बीच चल रहे शीतयुद्ध पर विराम लगाने को लेकर फैसले किए जाएंगे। सबसे पहले तो संघ के किसी बड़े पदाधिकारी यूपी सरकार और संगठन के बड़े नेताओं के साथ बैठक करके स्थिति व वजहों पर मंथन करेंगे। इसके बाद दिल्ली या किसी और शहर में बैठक होगी, जिसमें भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से जुडे नेता भी शामिल हो सकते हैं।

संगठन की आड़ में निजी स्वार्थ पूरे कर रहे नेता

सूत्रों की माने तो संघ परिवार का यह भी मानना है कि सरकार से बड़ा संगठन की आड़ लेकर अपने निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई लड़ रहे अतिमहत्वाकांक्षी भाजपा नेताओं की वजह से कहीं यूपी हाथ से न निकल जाए। यहां यह भी ध्यान रखना होगा कि भाजपा और संघ के एजेंडे के लिहाज से यूपी का एक अलग ही स्थान है। गौर करने वाली बात यह भी है कि भाजपा, आरएसस व विश्व हिंदू परिषद अपने धार्मिक एजेंडे को परवान चढ़ाने के लिए यूपी को हिंदुत्व का एक मजबूत प्रयोगशाला मानते रहे हैं। संघ ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को यह संकेत दे दिया है कि यदि अपनी ही सरकार के खिलाफ हो रहे मोर्चेबंदी होती रही तो 2027 के चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान तो उठाना पड़ सकता है। साथ ही पार्टी के राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने का सपा भी धूल-धूसरित हो जाएगा।

संघ नरेंद्र मोदी के बाद योगी को मान रहा हिंदुत्व का बड़ा चेहरा

संघ से जुड़े सूत्रों का कहना है संघ परिवार की नजर में पीएम नरेंद्र मोदी के बाद मुख्यमंत्री योगी की हिंदुत्व का ऐसा चेहरा है, जिन्होंने प्रदेश में ही नहीं बल्कि, देशभर में हिंदुओं को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगर हिंदुत्व के बड़े चेहरे की छवि धूमिल करने की कोशिश पर लगाम नहीं लगाया गया तो इससे हिंदुत्व जैसे भाजपा के कोर एजेंडा को झटका लगेगा और हिंदू समाज के विभाजन को रोक पाना मुश्किल होगा।

एकजुट नहीं हुए तो पार्टी को भुगतना होगा खामियाजा

संघ प्रत्यक्ष तौर पर भले ही अब तक भाजपा नेताओं के अहम की लड़ाई से दूरी बनाए हुए है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि जल्द ही संघ की तरफ से सियासी उठापटक को शांत करने की पहल की जाएगी। इसके लिए संघ में भी अंदरखाने मंथन किया जा रहा है। दरअसल संघ की सबसे बड़ी चिंता यह है कि विकास के साथ ही राम मंदिर और काशी विश्वनाथ जैसे लोकप्रिय धार्मिक एजेंडे पर बेहतर काम करने के बावजूद लोकसभा चुनाव में जिस तरह से भाजपा का ग्राफ तेजी से गिरा है उससे पार्टी को तगड़ा झटका लगा है। यह स्थिति न तो भाजपा के लिए मुफीद और न ही संघ के लिए। ऐसे में संघ को यह चिंता सता रही है कि अगर भाजपा के नेताओं द्वारा इसी तरह से अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा करने को लेकर होड़ जारी रही तो इसका खामियाजा भाजपा को उठाना पड़ सकता है। इसका असर सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने के अभियान पर पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर ने ली विधायक पद की शपथ

» हिमाचल विस में पहली बार एक साथ बैठेंगे पति-पत्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर ने विधानसभा में सदस्य के बतौर विधायक पद की शपथ ली। इसके साथ ही पति और पत्नी की जोड़ी एक साथ विधायक के रूप में विधानसभा में नजर आएंगे। जो एक रिकॉर्ड भी बन गया है।

दरअसल, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू नादौन से विधायक हैं और वो वर्तमान में मुख्यमंत्री हैं। अब उनकी पत्नी कमलेश ठाकुर देहरा से उपचुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंची हैं। ये जोड़ी अब मानसून सत्र में विधानसभा के एक साथ नजर आएगी।

विस अध्यक्ष ने दिलाई नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ

इससे पहले हिमाचल विधानसभा में पिता-पुत्र की जोड़ी यानी पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह की जोड़ी नजर आ चुकी है। दोनों वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद सदन में एक साथ दिखे थे। कमलेश ठाकुर के अलावा सोमवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा की सदस्यता के रूप में उपचुनाव में हमीरपुर से चुने गए आशीष शर्मा और नालागढ़ से चुने गए हरदीप सिंह बावा ने भी शपथ ग्रहण किया। विस में शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने की।

लोगों की हत्या और अपहरण कर रहे हैं अविमुक्तेश्वरानंद : गोविंदानंद सरस्वती

» बोले- संन्यासी होने का दिखावा करते हैं अविमुक्तेश्वरानंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोविंदानंद सरस्वती जी महाराज ने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को काफी खरी-खरी सुनाई है, साथ ही उनको लेकर एक बड़ा भी दिया है। गोविंदानंद ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था और उन्हें भगोड़ा घोषित किया गया था।

गोविंदानंद ने कहा कि हम यह सब सुप्रीम कोर्ट में बताना चाहते हैं, लेकिन कोर्ट अगली तारीखें देते रहता है और हम न्याय चाहते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हम देश की खातिर इन सभी दस्तावेजों को आगे रख रहे हैं।

कांग्रेस के खेल का खिलौना हैं अविमुक्तेश्वरानंद

गोविंदानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने स्टे जारी कर दिया था तो प्रियंका गांधी वाड्रा ने अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य संबोधित करते हुए पत्र कैसे लिखा? क्या कांग्रेस तय करेगी कि शंकराचार्य कौन है? जब राहुल गांधी हिंदू विरोधी टिप्पणी करेंगे तो उनके साथ खड़े होंगे। कांग्रेस एक खेल खेल रही है और अविमुक्तेश्वरानंद खिलौना हैं। मैं प्रियंका गांधी वाड्रा से पूछना चाहता हूं कि उन्हें एक मुद्दा उठाना चाहिए। इस पत्र को लिखने के लिए सार्वजनिक माफी मांगें अन्यथा हम उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना का मामला दायर करेंगे।

भाजपा-कांग्रेस सभी कर रहे अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन

गोविंदानंद सरस्वती जी महाराज ने आगे अधिक आक्रामक होते हुए कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद लोगों की हत्या कर रहे हैं और उनका अपहरण कर रहे हैं। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के खिलाफ सवाल उठाया था। वह संन्यासी होने का दिखावा करके शादियों में शामिल हो रहे हैं। वह कह रहे हैं कि केदारनाथ में 228 किलो सोना गायब है, क्या उन्हें सोने और पीतल के बीच का अंतर भी पता है। गोविंदानंद सरस्वती ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा, सभी सीएम और पीएम, एएम और हर कोई अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन कर रहा है। कांग्रेस पार्टी अविमुक्तेश्वरानंद को पूरा समर्थन दे रही है। जब हमारे गुरुजी ब्रह्मलीन हो गए, इन लोगों ने कांग्रेस से चिट्ठी मांगी और कांग्रेस ने पत्र जारी किया। प्रियंका गांधी ने 13 सितंबर 2022 को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्हें श्रद्धेय शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी कहकर संबोधित किया गया।

2027 वनडे विश्वकप में खेलेंगे रोहित-विराट!

» गंभीर बोले- फिटनेस और प्रदर्शन अच्छा रहा तो दोनों सीनियर प्लेयर होंगे टीम का हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के नए हेड कोच गौतम गंभीर ने आज बतौर भारतीय टीम के कोच आज अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कोच गंभीर ने सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर सवाल किया गया तो गंभीर ने कहा कि उम्मीद है कि ये दोनों खिलाड़ी 2027 तक वनडे विश्वकप तक अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे।

गंभीर ने कहा कि विराट और रोहित दोनों के पास बहुत क्रिकेट बचा है, वे विश्व स्तरीय हैं। उन्होंने दिखाया है कि वे बड़े मंच पर क्या कर सकते हैं। किसी भी टीम में ये दोनों होंगे। आगे चैंपियंस ट्रॉफी है, ऑस्ट्रेलिया सीरीज है। फिर अगर फिटनेस अच्छी रही तो दोनों 2027 विश्वकप तक खेल सकते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर से कोहली से तल्ख रिश्ते को लेकर भी सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल हम भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। फील्ड पर हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। कभी-कभी आप सुर्खियां चाहते हैं और यह टीआरपी के लिए अच्छा है। वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस से यह भी साफ हो गया है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को तीनों फॉर्मेट में मौका दिया जाएगा।

टी-20 से संन्यास ले चुके हैं रोहित-विराट

गौरतलब है कि भारत को 2024 टी20 वर्ल्ड कप जिताने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया था। उनके बाद रवींद्र जडेजा ने भी इस फॉर्मेट को छोड़ दिया। टी20 से संन्यास के बाद ही रोहित और विराट के भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। हालांकि, अब हेड कोच ने साफ कर दिया है कि अगर दोनों खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तो 2027 विश्वकप तक खेल सकते हैं।

सावन प्रारंभ भगवान भोलेनाथ को समर्पित श्रावण मास की शुरुआत आज से हो गई। सावन के पहले सोमवार पर लखनऊ के मनकामेश्वर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भक्त बड़ी संख्या में सुबह चार बजे से ही मंदिरों में दर्शन के लिए लाइन में लग गए।

फोटो: सुमित कुमार

केशव मौर्य ने सीएम योगी के विभाग से मांगा कर्मचारियों के आरक्षण का ब्यौरा

नियुक्ति और कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव को लिखा पत्र, डिप्टी सीएम का लेटर सामने आने के बाद गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद से ही उत्तर प्रदेश में भाजपा के अंदर सियासी उठापटक जारी है। इस बीच अब प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विभाग को पत्र लिखा है। डिप्टी सीएम ने नियुक्ति और कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर आरक्षण का ब्यौरा मांगा है। इस लेटर में केशव मौर्य ने कहा है कि वह इस मुद्दे को विधान परिषद में भी उठा चुके हैं। डिप्टी सीएम के इस पत्र के सामने आने के बाद अब प्रदेश की सियासत एक बार फिर गर्मा गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर केशव प्रसाद मौर्य ने आउटसोर्सिंग या संविदा पर काम कर रहे कुल कर्मचारियों का ब्यौरा मांगा है। पत्र में डिप्टी सीएम ने लिखा कि मैंने 11 अगस्त 2023 में इस मुद्दे को विधान परिषद में उठाया था और अधिकारियों से जानकारी चाही थी। 16 अगस्त 2023 को उन्होंने पत्र लिखा था, लेकिन जानकारी ना मिल पाने के कारण एक बार फिर पत्र लिखा और अधिकारियों को आदेशित किया कि शासनादेश के अनुसार समस्त विभागों को सूचीवार एकत्र करके, संकलित कर अवलोकनार्थ प्रस्तुत करें।

संगठन और सरकार में चल रही खींचतान

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार और संगठन के बीच अंदरूनी खींचतान के बीच डिप्टी सीएम मौर्य का यह लेटर चर्चा में आ गया है। हाल ही में संगठन और सरकार के बीच मतभेद सामने आए थे। हालांकि, उसके बाद केशव मौर्य को दिल्ली बुलाया गया था और खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनसे मुलाकात की थी। करीब एक घंटे तक चली इस मीटिंग में संगठन और सरकार के बीच तनाव को कम करने की चर्चा हुई थी। नड्डा की ओर से कहा गया कि ऐसी बयानबाजी नहीं होनी चाहिए, जिससे पार्टी की छवि का नुकसान हो।

केशव ने कहा था- भाजपा में सरकार से बड़ा होता है संगठन

यूपी कार्य समिति की बैठक में केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जो आपका दर्द है, वही मेरा भी दर्द है और बीजेपी में सरकार से बड़ा संगठन है, संगठन था और रहेगा। मौर्य ने आगे कहा था कि 7 कालिदास मार्ग कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा खुला है। डिप्टी सीएम के इसी बयान के बाद यूपी की सियासत चर्चा के केंद्र में आ गई थी।

वित्तमंत्री ने संसद में पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज से संसद का बजट सत्र शुरू हो गया है। इस बीच वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आर्थिक सर्वे को पेश कर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पिछले वित्त वर्ष के लिए आर्थिक सर्वेक्षण को पेश किया है।

सर्वे के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी 6.5 - 7 फीसदी रहने का अनुमान है। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में महंगाई दर के 4.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में महंगाई दर 4.1 फीसदी रहने का अनुमान है। आर्थिक सर्वे में जो भी कुछ अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सुझाव दिए गए हैं उसकी झलक बजट में दिखेगी।

रोजगार को लेकर आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि, सर्विसेज सेक्टर सबसे ज्यादा रोजगार सृजन करने वाला सेक्टर है। इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के सरकार के जोर के चलते कंस्ट्रक्शन सेक्टर तेजी के साथ विकास कर रहा है। सर्वे के मुताबिक, कंस्ट्रक्शन सेक्टर के रोजगार असंगठित होते हैं साथ ही वेतन बेहद कम होता है ऐसे में कृषि छोड़ रहे लेबर फोर्स के लिए रोजगार के नए अवसर की जरूरत है।

सर्वे में कहा गया है कि पिछले एक दशक में खराब लोन की विरासत के चलते पिछले एक दशक में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कम रोजगार का सृजन हुआ है, लेकिन वित्त वर्ष 2021-22 से इस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

बिहार में सरकार से नहीं नियंत्रित हो रहा अपराध : लालू यादव

» पूर्व सीएम राबड़ी देवी भी बोलीं- बिहार में है जंगलराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला। पटना से दिल्ली के लिए रवाना होते वक्त एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश सरकार पर सीएम नीतीश कुमार को घेरते हुए राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि बिहार में सरकार से अपराध नियंत्रण नहीं हो रहा है।

बता दें कि आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव स्वास्थ्य जांच के लिए सोमवार को पटना से दिल्ली गए हैं। उधर लालू यादव से पहले उनके बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सरकार भी बिहार में बढ़ते अपराध, पेपर लीक और लगातार गिर रहे पुल-पुलियों को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। कई बार उन्होंने अपने एक्स हैंडल से क्राइम बुलेटिन जारी कर नीतीश सरकार पर निशाना साधा है।

बिहार में माफियाओं का राज है : राबड़ी देवी

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने भी सरकार पर हमला जमकर निशाना साधा। राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार में माफिया का राज है, बिहार में जंगलराज है, गुंडाराज है। राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार विधान परिषद के सभापति के लिए हम लोगों ने अवधेश नारायण सिंह का समर्थन किया है। उन्होंने बिहार में बढ़ते अपराध पर यह भी कहा कि आज सत्र का पहला दिन है। हाउस (सदन) में अपराध पर आगे बोलेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष को मिली सुप्रीम राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2021 के लखीमपुर-खीरी हिंसा मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' के बेटे आरोपी आशीष मिश्रा को आज सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी। कोर्ट ने जमानत अर्जी मंजूर करने के बाद उन्हें दिल्ली या लखनऊ में रहने का निर्देश दिया। कोर्ट ने अधीनस्थ अदालत को मामले की सुनवाई में तेजी लाने और समयसीमा तय करने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अंतरिम आदेश को निरपेक्ष बनाया गया है। हमें सूचित किया गया है कि 117 गवाहों में से अब तक सात की जांच की जा चुकी है। हमारे विचार में मुकदमे की कार्यवाही में तेजी लाने की जरूरत है। हम ट्रायल कोर्ट को निर्देश देते हैं कि वह लंबित अन्य समयबद्ध या जरूरी मामलों को ध्यान में रखते हुए समय-सारिणी तय करे, लेकिन लंबित विषय को प्राथमिकता दे। बता दें कि लखीमपुर खीरी हिंसा में आठ लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद उनके दिल्ली या लखनऊ जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले साल 25 जनवरी को शीर्ष अदालत ने हिंसा की दुर्भाग्यपूर्ण भयावह घटना में आशीष मिश्रा को अंतरिम जमानत दी थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।